CBSE Class 12 भूगोल भाग – 2

पाठ – 6 जल - संसाधन

पुनरावृति नोटस

अवधारणा मानचित्र

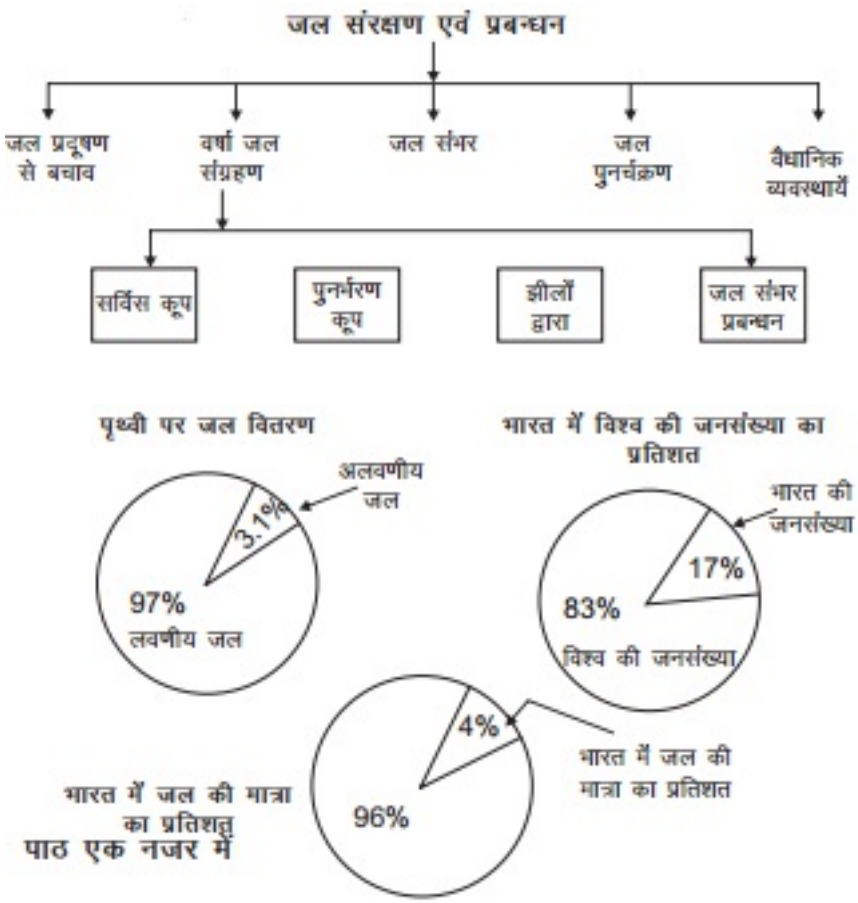

महत्वपूर्ण बिंदु

- भारत में विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.45 प्रतिशत, जनसंख्या का लगभग 16 प्रतिशत तथा जल संसाधनों का 4 प्रतिशत भाग पाया जाता है ।
- हमारे देश में वर्षण से प्राप्त एक वर्ष में कुल जल की मात्रा लगभग 4000 घन कि.मी. है ।
- घरातलीय जल और पुन: पूर्तियोग भौम जल में 1869 घन कि. मी. जल उपलब्ध है । इसमें केवल 60 प्रतिशत जल का लाभदायक उपयोग किया जा सकता है । इस प्रकार देश में कुल उपयोगी जल संसाधन 1,122 घन किमी. है ।
- जल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता, जनसंख्या बढ़ने से दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है ।
- उपलब्ध जल संसाधन औद्योगिक, कृषि और घरेलू निस्सरणों से प्रदूषित होता जा रहा है और इस कारण उपयोगी जल संसाधनो की उपलब्धता और सीमित होती जा रही है ।
- पृथ्वी का लगभग 71% धरातल पानी से आच्छादित है | परन्तु अलवणिय जल की मात्रा कुल जल का केवल 3% ही है

|

- भारत में विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.45 प्रतिशत, जनसंख्या का लगभग 16% तथा जल संसाधनों का 4 भाग ही पाया जाता है|
- देश में एक वर्ष में वर्षण से प्राप्त कुल जल की मात्रा लगभग 4000 घन कि.मी. है धरातलीय जल और पुनः पूर्ति योग्य भौम जल से 1869 घन कि.मी. जल उपलब्ध है |
- जल सम्भर प्रबंधन का संबंध धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है |
- तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहाँ जल संग्रहण संरचना आवश्यक है |
- इसमें से केवल 60% अर्थात् 1122 घन कि.मी. जल का ही लाभदायक उपयोग किया जाता है |
- धरातलीय जल के चार मुख्य स्रोत है, नदियाँ, झीलें, तलैया और तालाब | भारत में कुल नदियों व उसकी सहायक नदियों जिनकी लम्बाई 1.6 कि.मी. से अधिक है | इनकी संख्या 10360 है |
- जनसंख्या वृद्धि, जल का अति उपयोग व पर्यावरण प्रदुषण के कारण जल दुर्लभता बढ़ती जा रही है |
- भारत में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु राज्यों में भौम जल का उपयोग बहुत अधिक है | जबकि छत्तीसगढ़, उड़ीसा, केरल राज्य भौम जल क्षमता का बहुत कम उपयोग करते है |
- भारत में सतह जल व भूमिगत जल का सबसे अधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में होता हैं |
- जल में बाह्य पदार्थों जैसे सूक्षम, जीव, रासायनिक पदार्थ, आद्योगिक और अन्य अपशिष्ट आदि पदार्थों से प्रदूषित होता है |
- देश में गंगा और यमुना दो अत्यधिक प्रदूषित नदियाँ है |
- केंद्र एवं राज्य सरकारों ने देश मं बहुत से जल - संभर विकास एवं जल प्रबंधन कार्यक्रम चलाए है |

पोषित किए जाने वाले मूल्य